

मल्लूकदासजी की बानी

[जीवन-चरित्र सहित]

जिस में

उन महात्मा के चुने हुए शब्द, कवित्त और
साखियाँ छपी हैं

और गूढ़ शब्दों के अर्थ भी नोट में लिखे हैं ।

All Right Reserved.

[कोई सादेव बिना इजाज़त के इस पुस्तक को नहीं छाप सके]

इलाहाबाद

बेलवेडियर प्रीस प्रिंटिंग वर्कस में प्रकाशित हुआ

सन् १९२० ई०

[द्वितीय प्रेक्षण]

[दाम २]